Dainik Jagran

The Resource Centre

Date: 12/02/2011 **Page No:** 7 **Location:** Main **Circulation:** 189141

Edition: Lucknow

Celeb Cooking

लजीज व्यंजन

खाना पकाने का आनंद उठाते ब्रतती बंद्योपाध्याय, सुनील गंगोपाध्याय व ऋतुपर्णा सेनगुप्ता जागरण

मशहूर हस्तियों ने उठाया खाना बनाने का लुत्फ

खास बावर्ची

- बेहद संवेदनशील होते हैं बंगाली : सुनील गंगोपाध्याय
- सिनेमा देखते समय रो पड़ती हूं : ऋतुपर्णा सेनगुप्ता

कोलकाता, जागरण संवाददाता : बंगाल की तीन मशहूर हस्तियां लेखक सुनील गंगोपाध्याय, अभिनेत्री ऋतुपर्णा सेनगुप्ता, लेखिका ब्रतती बंद्योपाध्याय ने शुक्रवार को महानगर में खाना बनाने का आनंद उठाया। मौका था अग्रणी एफएमसीजी कंपनी इमामी के प्रोडक्ट हेल्दी एंड टेस्टी मस्टर्ड आयल के प्रचार अभियान का। इसमें एंकर मीर और इमामी के शरद चक्रवर्ती ने भी हिस्सा लिया। लेखक सुनील गंगोपाध्याय ने कहा कि बंगाली अति संवेदनशील होते हैं जिससे उनकी आंखों में जब-तब आंसू आ जाते हैं। उन्होंने कहा कि वह भी काफी संवेदनशील हैं जिससे उनकी आंखों में उपन्यास पढ़ते या सिनेमा देखते समय आंसू आ जाता है। यही संवेदनशीलता हमारी पहचान है। ऋतुपर्णा ने कहा कि वह इतनी भावुक हैं कि सिनेमा देखते समय भी वह रोने लगती हैं, उनके पति घबरा जाते हैं और पूछने लगते हैं कि क्या हुआ? इस पर वह उत्तर देती हैं कि दृश्य में इतनी अपने आप को समाहित कर लेती हैं कि रुलाई आ जाती है। यह भाव प्रधान स्थिति है, जिसकी वजह से ऐसा होता है। ब्रतती बंध्योपाध्या ने भी कहा कि वह भी कई अवसरों पर रो पड़ती हैं। मीर ने मजाकिया लहजे में कहा कि रोने के कई कारण होते हैं। कोई प्याज काटते रो पड़ता है तो कोई दुख से रोता है तो कोई खुशी के कारण रो पड़ता है लेकिन बंगाली अति संवेदशील होते हैं और वे अपनी रुलाई छिपा नहीं पाते हैं। शायद इसी कारण वे सभ्य भी होते हैं और हिंसा से दूर रहते हैं। साथ ही उनमें सब के प्रति संवेदना रहती है। इमामी समूह के मालिकों में मनीष गोयनका और आदित्य गोयनका भी उपस्थित थे।

Copyright of the article is with the publication